भारत सरकार
सहकारिता मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2729
बुधवार, 12 अगस्त, 2026 (21 श्रावण 1948 (शक)) को उत्तरार्थ

बीबीएसएसएल के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता एवं किसानों की आत्मनिर्भरता

2729# श्री बाबूभाई जेसंगभाई देसाईः

क्या सहकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने "सहकार से समृद्धि" विजन के तहत देश में किसानों को उच्च गुणवत्ता वाले और प्रमाणित सब्जी एवं अन्य बीज उपलब्ध कराने के लिए "भारतीय बीज सहकारिता समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल)" की स्थापना की है;

(ख) यदि हाँ, तो प्राथमिक सहकारी ऋण समितियां (पैक्स) और सहकारी नेटवर्क के माध्यम से सब्जी के गुणवत्तापूर्ण बीजों के उत्पादन, परीक्षण और वितरण के लिए क्या विशेष लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं; और

(ग) इससे किसानों की आय में वृद्धि, पारंपरिक देशी किस्मों के संरक्षण और देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अब तक क्या उपलब्धियां हासिल हुई हैं?

उत्तर

सहकारिता मंत्री
(श्री अमित शाह)

(क) जी हां, मान्यवर । सहकारिता मंत्रालय ने सहकारिता के नेतृत्व वाली संरचना के माध्यम से एक मजबूत, किसान केंद्रित बीज प्रणाली के स्पष्ट दृष्टिकोण के साथ उन्नत बीजों के उत्पादन, प्रापण, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, लेबलिंग, पैकेजिंग, भंडारण, विपणन, वितरण तथा रणनीतिक अनुसंधान और विकास के लिए बहुराज्य सहकारी सोसाइटी अधिनियम, 2002 के अधीन एक एपेक्स संगठन के रूप में भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) की स्थापना की है ।

(ख) भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) ने देश भर में वितरण के लिए 'भारत बीज' ब्रांड के तहत अब तक 18 फसलों और 124 किस्मों के बीज बाजार में उतारे हैं । इसके अलावा, बीबीएसएसएल ने विनिर्दिष्ट बीज गुणवत्ता और विनियामक मानकों के अनुसरण में सब्जियों के बीजों के उत्पादन और गुणवत्ता-परीक्षण अपेक्षाओं के विकास की दिशा में पहल की है।

(ग) वित्तीय वर्ष 2025–26 के दौरान, बीबीएसएसएल ने 'भारत बीज' ब्रांड के बीज उत्पादन कार्यक्रम के अधीन अपने संबद्ध बीज उत्पादक किसानों के माध्यम से 75,535 मीट्रिक टन बीजों का उत्पादन

किया है । यह कार्यक्रम किसानों की संगठित बीज उत्पादन में भागीदारी को सुगम बनाता है तथा निर्धारित गुणवत्ता एवं प्रमाणीकरण मानकों के अनुरूप बीज उत्पादन के लिए तकनीकी सहयोग प्रदान करता है।

पारंपरिक स्वदेशी किस्मों के संरक्षण के लिए, बीबीएसएसएल ने उत्तराखंड में एक कार्यक्रम की शुरूआत की है जिसमें ऐसी किस्मों की पहचान, संरक्षण, वर्धन और प्रलेखन पर ध्यान केंद्रित किया गया है । बीबीएसएसएल की गतिविधियों में घरेलू बीज उत्पादन का विस्तार, स्वदेशी आनुवंशिक संसाधनों का संरक्षण तथा सहकारी नेटवर्क के माध्यम से गुणवत्तायुक्त बीजों का वितरण शामिल है, जिससे देश की आयातित बीजों पर निर्भरता कम करने तथा बीज क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य में योगदान मिल रहा है।

*****